लैवेंडर की खेती

प्रलिम्सि के लयि:

लैवेंडर की खेती, लैवेंडर, अरोमा मशिन।

मेन्स के लयि:

लैवेंडर की खेती और इसका महत्त्व, कृषि मूल्य नरि्धारण, कृषि संसाधन।

चर्चा में क्यों?

CSIR-IIIM's के अरोमा मशिन के तहत **'लैवेंडर की खेती (Lavender Cultivation)'** बैंगनी क्रांति के एक हसि्से के रूप में रामबन ज़िले (जम्मू कश्मीर) में शुरू की जाएगी।

- सुगंधति पौधों में **लैवेंडर, डैमस्क गुलाब, मुश्क बाला** आदि शामलि हैं।
- वैज्ञानकि और औद्योगकि अनुसंधान परषिद (CSIR) वज्ञान और प्रौद्योगकी मंत्रालय के तहत एक समकालीन अनुसंधान एवं वकिस संगठन है।

बैंगनी क्रांत:ि

- **परचिय:**
  - **बैंगनी या लैवेंडर क्रांति 2016** में केंद्रीय **वज्ञान और प्रौद्योगकी मंत्रालय** द्वारा **वैज्ञानकि और औद्योगकि अनुसंधान परषिद (CSIR) अरोमा मशिन** के माध्यम से शुरू की गई थी।
  - जम्मू और कश्मीर के लगभग सभी **20 ज़िलों में लैवेंडर की खेती** की जाती है।
  - मशिन के तहत पहली बार लैवेंडर के पौधे मुफ्त में दयि गए, जबकि इससे पहले लैवेंडर की खेती करने वाले कसिानों से 5-6 रुपए प्रति पौधा लयि जाता था।
- **उद्देश्य:**
  - आयातति सुगंधति तेलों से घरेलू कसि्मों की ओर बढ़ते हुए घरेलू सुगंधति फसल आधारति कृषि अर्थव्यवस्था का समर्थन करना।
- **उत्पाद:**
  - मुख्य उत्पाद लैवेंडर का तेल है जो कम-से-कम 10,000 रुपए प्रति लीटर के हसिाब से बकिता है।
  - लैवेंडर जल जो लैवेंडर के तेल से अलग होता है, अगरबत्ती बनाने के लयि प्रयोग कयिा जाता है।
  - हाइड्रोसोल, जो फूलों से आसवन के बाद बनता है, साबुन और फ्रेशनर बनाने के लयि उपयोग कयिा जाता है।
- **महत्त्व:**
  - यह वर्ष 2022 तक कसिानों की आय दोगुनी करने की सरकार की नीति के अनुरूप है।
  - यह नवोदति कसिानों और कृषि उद्यमयिों को आजीवकिा के साधन प्रदान करने में मदद करेगा और स्टार्ट-अप इंडयिा अभयिान को बढ़ावा देगा, साथ ही इस क्षेत्र में उद्यमति की भावना को बढ़ावा देगा।
    - बैंगनी क्रांति से तकरीबन 500 से अधकि युवाओं ने लाभ उठाया और अपनी आय को कई गुना बढ़ाया था।

अरोमा मशिन:

- **उद्देश्य:** अरोमा मशिन का उद्देश्य अरोमा (सुगंध) उद्योग एवं ग्रामीण रोज़गार के वकिस को बढ़ावा देने के लयि कृषि, प्रसंस्करण और उत्पाद वकिस में वांछति हस्तक्षेप के माध्यम से अरोमा (सुगंध) क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण परविर्तन लाना है।
  - यह मशिन ऐसे आवश्यक तेलों के लयि सुगंधति फसलों की खेती को बढ़ावा देगा, जनिकी अरोमा (सुगंध) उद्योग में काफी अधकि मांग है।
  - यह मशिन भारतीय कसिानों और अरोमा (सुगंध) उद्योग को 'मेन्थॉलकि मटि' जैसे कुछ अन्य आवश्यक तेलों के उत्पादन और नरि्यात में वैश्वकि प्रतनिधि बिनने में मदद करेगा।

- इसका उद्देश्य उच्च लाभ, बंजर भूमि के उपयोग और जंगली एवं पालतू जानवरों से फसलों की रक्षा करके किसानों को समृद्ध बनाना है।

- **अरोमा मिशन चरण- I और II:**
  - पहले चरण के दौरान CSIR ने 6000 हेक्टेयर भूमि पर खेती करने में मदद की और देश भर के 46 आकांक्षी ज़िलों को कवर किया। इसके अलावा 44,000 से अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया गया।
  - 9 फरवरी, 2021 को CSIR ने अरोमा मिशन का दूसरा चरण शुरू किया जिसमें 45,000 से अधिक कुशल मानव संसाधनों को शामिल करने का प्रस्ताव है और इससे देश भर में 75,000 से अधिक किसान परिवारों को लाभ होगा।
- **नोडल एजेंसी:**
  - नोडल प्रयोगशाला सीएसआईआर-केंद्रीय औषधीय और सुगंधित पौधे संस्थान (CSIR-CIMAP), लखनऊ है।
- **इच्छित परिणाम:**
  - लगभग 5500 हेक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र को सुगंधित नकदी फसलों की कैप्टिव खेती के तहत लाना, विशेष रूप से पूरे देश में वर्षा सिंचित/निम्नीकृत भूमि को लक्षित करना।
  - पूरे देश में किसानों/उत्पादकों को मूल्यवर्द्धन के लिये तकनीकी और ढाँचागत सहायता प्रदान करना।
  - किसानों/उत्पादकों हेतु लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने के लिये प्रभावी बाय-बैक मकेनिज़्म (Buy-Back Mechanisms) को विकसित करना।
  - वैश्विक व्यापार और अर्थव्यवस्था में उनके एकीकरण के लिये आवश्यक तेलों और सुगंध सामग्री का मूल्यवर्द्धन।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/lavender-cultivation